



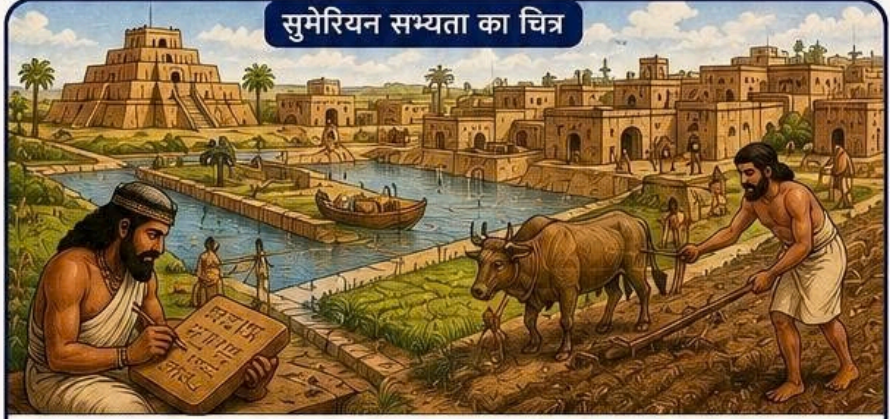
www.championsbooks.shop

परिभाषा : सुमेरियन सभ्यता मेसोपोटामिया की सबसे प्राचीन सभ्यता थी। यह सभ्यता टाइग्रिस (Tigris) और युफ्रेटीस (Euphrates) नदियों के बीच दक्षिणी मेसोपोटामिया में विकसित हुई। सुमोर को विश्व की पहली शहरी सभ्यता भी कहा जाता है।

मुख्य विशेषताएँ

- ★ यह सभ्यता लगभग 3500 ई.पू. से शुरू होकर 2000 ई.पू. तक विकसित हुई।
- ★ इस क्षेत्र को सुमेर (Sumer) कहा जाता था।
- ★ यहाँ अनेक नगर-राज्य (City States) थे।
- ★ यह सभ्यता कृषि, लेखन, कला और विज्ञान में अत्यंत उन्नत थी।
- ★ इन्होंने पहिया, हल, सिंचाई और ईंट निर्माण का विकास किया।
- ★ सुमेरियन लोग बहुदेववादी थे और मंदिरों का निर्माण करते थे।

सुमेरियन सभ्यता का चित्र



प्रमुख नगर-राज्य

- उर (Ur)
- उरुक (Uruk)
- लगाश (Lagash)
- किश (Kish)
- निप्पुर (Nippur)

प्रमुख राजा

- गिलगमेश (उरुक का राजा)
- इनहोटेप (उर का राजा)

आर्थिक जीवन

- मुख्यतः कृषि पर आधारित अर्थव्यवस्था थी।
- गेहूँ, जौ, खजूर और तिलहन की खेती होती थी।
- सिंचाई के लिए नहरों का निर्माण किया गया।
- पशुपालन, मछली-पालन और कारीगरी भी किए जाते थे।
- मिट्टी के बर्तन, कपड़े और धातु के सामान बनाए जाते थे।



लेखन कला

सुमेरियन लोगों ने कीलाक्षर लिपि (Cuneiform Script) का आविष्कार किया। यह लिपि मिट्टी की तख्तियों पर सरकण्डे की नुकीली कलम से लिखी जाती थी।



धर्म और संस्कृति

- ये बहुदेववादी थे। इनके प्रमुख देवता – अनु (आकाश), एनलिल (वायुदेव), एनकी (जल देवता), इन्ना (प्रेम एवं युद्ध की देवी) आदि थे।
- मंदिरों को 'ज़िगुरेट' कहा जाता था।
- त्योहार और धार्मिक अनुष्ठान मनाए जाते थे।
- संगीत, नृत्य और साहित्य का विकास हुआ।



विज्ञान और तकनीक

- पहिए का आविष्कार किया।
- हल का उपयोग कृषि में किया।
- सिंचाई की उत्कृष्ट व्यवस्था की।
- माप-तौल, गणित और खगोल विज्ञान में प्रगति की।
- 60 आधार संख्या पद्धति का प्रयोग किया।



कला और स्थापत्य

- मिट्टी की ईंटों से मकान और विशाल मंदिर (ज़िगुरेट) बनाते थे।
- मूर्तिकला, नक्काशी और मुहरों (Seals) का निर्माण करते थे।
- मिट्टी के बर्तन बहुत सुंदर और कलात्मक होते थे।



साहित्य

- सुमेरियन साहित्य विश्व का सबसे प्राचीन साहित्य है।
- इनकी प्रमुख रचना 'गिलगमेश महाकाव्य' है, जो विश्व के सबसे पुराने महाकाव्यों में से एक है।
- धार्मिक स्तोत्र, कहानियाँ, कहावतें और कानून से संबंधित ग्रंथ भी लिखे गए।



पतन के कारण

- लगातार बाढ़ और नदियों का मार्ग बदलना।
- मृदा की उर्वरता कम होना और जलभराव।
- आक्रमण और आंतरिक संघर्ष।
- व्यापार में गिरावट और शहरों का विनाश।
- इन कारणों से यह सभ्यता धीरे-धीरे पतन के कगार पर पहुँच गई।



ऐतिहासिक महत्व

- सुमेरियन सभ्यता ने मानव सभ्यता की नींव रखी।
- लेखन, गणित, विज्ञान, कृषि और नगर-जीवन की शुरुआत हुई।
- इनके योगदान ने बाद की बैबीलोनियन, असीरियन और अन्य सभ्यताओं को प्रभावित किया।



नोट : सुमेरियन सभ्यता को विश्व की पहली शहरी सभ्यता कहा जाता है। इसने मानव के इतिहास में ज्ञान, तकनीक और संस्कृति के क्षेत्र में अमूल्य योगदान दिया।

